खबर संक्षेप

अमरपाटन में पारदर्शी चुनाव की तैयारी

मैहर। अमरपाटन विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 66 में मतदान केंद्रों के 50 बूथ लेवल ऑफिसर्स को प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी डॉ.आरती सिंह और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आर.डी.साकेत की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मास्टर ट्रेनर विनोद कुमार पटेल ने आगामी निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण में मतदाता सूची में सुधार,नाम जोड़ने,हटाने और संशोधन की प्रक्रियाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई।

स्कूल में 'नशे के खिलाफ जागरूकता' अभियान

मैहर। सिमरन पब्लिक स्कूल में पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर 'नशे के खिलाफ जागरूकता' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। एडिशनल एसपी चंचल नागर और एसआई लक्ष्मी बागरी ने छात्रों को नशे के शारीरिक,मानसिक,आर्थिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने नशे से दूर रहने और मैहर जिले को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई। स्कूल प्रबंधन और पुलिस स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उप निर्वाचन वाली पंचायतों में मतदान समाप्ति तक शुष्क दिवस घोषित

सतना। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत उप निर्वाचन वर्ष 2025 (पूर्वार्द्ध) के लिये घोषित कार्यक्रम अनुसार पंचायत उप निर्वाचन के लिये मतदान 22 जुलाई को किया जाना है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ.सतीश कुमार एस ने निर्वाचन आयोग और वाणिज्यिक कर विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरुप म.प्र.आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 एवं मध्यप्रदेश राजपत्र की कंडिका क्रमांक 48.2 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये मतदान 22 जुलाई के लिए ग्राम पंचायत क्षेत्र सायडिंग में संचालित कम्पोजिट मदिरा दुकान सायडिंग एवं ग्राम बठियाकला की सीमा से 5 किमी की परिधि में आने वाली कंपोजिट मदिरा दुकान सगमनिया को मतदान के समाप्त होने के समय से 48 घण्टे पूर्व अर्थात 20 जुलाई को सायं 5 बजे से 22 जुलाई को मतदान समाप्ति तक बंद रखने के निर्देश जारी किये गये हैं। इस अवधि में मदिरा का क्रय, विक्रय एवं परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

पंचायत उप निर्वाचन के लिए मतदान दलों का प्रशिक्षण आज

सतना। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत उप निर्वाचन वर्ष 2025 (पूर्वार्द्ध) के लिये घोषित कार्यक्रम अनुसार पंचायत उप निर्वाचन के लिये मतदान 22जुलाई को जनपद पंचायत सोहावल की ग्राम पंचायत बठियाकला एवं जनपद पंचायत उचेहरा की ग्राम पंचायत भरहटा में सरपंच पद के निर्वाचन का कार्य ईव्हीएम के माध्यम से संपन्न कराया जायेगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी आदेशानुसार मतदान के लिए मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण 17 जुलाई को दोपहर 3 बजे संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन सतना के सभागार में आयोजित किया गया है।

मैहर के छैरहा प्राथमिक विद्यालय में बाल श्रम का आरोप

मैहर। जिले के छैरहा प्राथमिक विद्यालय से एक शर्मनाक तस्वीर सामने आई है,जहाँ एक नाबालिग छात्रा से स्कूल में भरा पानी साफ करवाया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो क्लिप में शिक्षक लवलेंद्र प्रसाद कोल छात्रा को पानी निकालने के निर्देश देते दिख रहे हैं। स्कूल की पुरानी बिल्डिंग में बरसात का पानी भर जाने के कारण यह स्थिति बनी थी। तहसीलदार रामदेव साकेत ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल जिला अस्पताल की बड़ी लापरवाही आई सामने

नवजात को मृत बताने के मामले में मेडिकल कॉलेज के डीन करेंगे जांच: सीएमएचओ

सतना। सरदार वल्लभभाई पटेल जिला अस्पताल में नवजात बच्चे को मृत बताने के मामले की जांच मेडिकल कॉलेज सतना के डीन करेंगे। बुधवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर एलके तिवारी ने हरिभूमि को बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल जिला अस्पताल में मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर ड्यूटी पर थे जिनके द्वारा इस तरह का कार्य किया गया। लिहाजा हमने मेडिकल कॉलेज के डीन को पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया है कि घटनाक्रम की पूरी जांच करके उसकी रिपोर्ट हमें तत्काल उपलब्ध कराएं। उल्लेखनीय है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय जिला चिकित्सालय में लेडी डॉक्टर ने जिस गर्भस्थ शिशु को मृत बता दिया था वह निजी अस्पताल में जीवित अवस्था में पाया गया। अब यह मामला सुर्खियों में है। रामपुर बघेलान थाना अंतर्गत चकेरा गांव निवासी राहुल द्विवेदी की 24 वर्षीया पत्नी दुर्गा द्विवेदी को प्रसव वेदना के चलते सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे अमरपाटन सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। गर्भवती के साथ आशा कार्यकर्ता शीला तिवारी भी रही। सिविल अस्पताल के डॉक्टर ने सुबह 4 बजे दुर्गा को जिला अस्पताल सतना रेफर

कर दिया। अस्पताल पहुंची गर्भवती महिला का सुबह 9 बजे मेटरनिटी ओपीडी में मौजूद ड्यूटी डॉक्टर मेडिकल कॉलेज की एसआर ने चेकअप करके बताया कि गर्भस्थ शिशु की धडक़न नहीं मिल रही। लेबर रूम में उपलब्ध डॉपलर से भी हार्टबीट पता करने की कोशिश की गई मगर रिस्पांस निगेटिव रहा। ड्यूटी डॉक्टर कहा कि प्रथमदृष्टया शिशु जिन्दा प्रतीत नहीं हो रहा है। डॉक्टर ने गर्भवती की सोनोग्राफी कराने की सलाह दी। सोनोग्राफी में भी मेडिकल कॉलेज की एसआर की ड्यूटी थी। सोनो ग्राफी में भी निगेटिव रिस्पांस मिलने के बाद ड्यूटी डॉक्टर ने दवाई से अबॉर्शन के जरिए मृत बच्चे की डिलीवरी कराने की सलाह दी। दुर्गा का यह पहला प्रसव था। डॉक्टर की ऐसी बातें सुनकर परिजन मायूस तो हुए मगर न तो हिम्मत हारी और न ही ड्यूटी डॉक्टर की बात मानी। वो अपनी मर्जी से दुर्गा को निजी अस्पताल ले गए। भरहुतनगर में एक डायग्नोस्टिक सेंटर में सोनोग्राफी हुई तो पता चला कि गर्भस्थ शिशु स्वस्थ है। प्राइवेट अस्पताल में सीजर ऑपरेशन से प्रसव कराया गया। नवजात का वजन 3 किलो 8 सौ ग्राम है और पूर्णतः स्वस्थ बताया जा रहा है। अब लाख टके का सवाल उठता है कि दो साल पहले आई अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन और डॉपलर में खोट है या फिर एसआर से चेकअप में कहीं चूक हुई।

सड़कों पर आवारा पशुओं का आतंक: आदेश हवा हुए, खतरे में जान!

सतना। सड़कों पर आवारा पशुओं का बेरोक-टोक घूमना अब एक गंभीर समस्या बन चुका है,जिससे शहरवासी लगातार दुर्घटनाओं के भय में जी रहे हैं। गायों,सांडों और कुत्तों के झुंड सड़कों पर इस कदर फैल चुके हैं कि पैदल चलने वालों से लेकर वाहन चालकों तक,हर कोई अपनी जान हथेली पर लेकर सफर कर रहा है। आलम यह है कि प्रशासनिक अधिकारियों के सख्त आदेश भी इन पशुओं पर लगाम कसने में पूरी तरह विफल साबित हो रहे हैं,और उनके फरमान केवल कागजों तक ही सीमित होकर रह गए हैं। शहर के प्रमुख चौराहों,बाजारों और रिहायशी इलाकों में भी इन आवारा पशुओं का डेरा है। सुबह और शाम के समय जब सड़कों पर भीड़ सबसे ज्यादा होती है,तब ये पशु अचानक वाहनों के सामने आ जाते हैं,जिससे आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई बार तो गंभीर चोटें भी आई हैं,लेकिन इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने नगर निगम और संबंधित विभागों को कई बार शिकायतें की हैं,लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है। हनुमान नगर नई बस्ती निवासी रमेश गुप्ता बताते हैं,मेरी स्कूटी आवारा गाय से टकराते-टकराते बची। यदि मैं ब्रेक नहीं लगाता तो आज अस्पताल में होता। इन पशुओं के कारण बच्चों का घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है। वहीं,बस स्टैंड के पास एक दुकानदार ने बताया कि ये पशु कचरा फैलाते हैं और कई बार तो ग्राहकों को भी डरा देते हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने कुछ समय पहले इन आवारा पशुओं को पकड़ने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए अभियान चलाने के आदेश दिए थे। गोशालाओं में जगह की कमी और पशु पकड़ने वाले दल की कथित लापरवाही के कारण ये आदेश हवा-हवाई साबित हुए हैं। सूत्रों के अनुसार,कुछ पशुओं को पकड़ा भी गया,लेकिन जल्द ही वे फिर से सड़कों पर खुले घूमते नजर आए,जिससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह अभियान सिर्फ खानापूर्ति के लिए था? प्रशासन की इस ढिलाई का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। हर गुजरते दिन के साथ दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है और शहर की यातायात व्यवस्था भी चरमरा रही है। नागरिकों की मांग है कि प्रशासन तत्काल इस समस्या पर ध्यान दे और इन आवारा पशुओं को सड़कों से हटाने के लिए एक प्रभावी और स्थायी समाधान निकाले,ताकि सतना की सड़कों पर लोग सुरक्षित महसूस कर सकें।

मैहर मंदिर रोपवे में बजरंग दल की गैर-हिंदू कर्मचारियों को हटाने की मांग

मैहर। मां शारदा मंदिर के रोपवे से गैर-हिंदू कर्मचारियों को सात दिन के अंदर हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा है। संगठन का आरोप है कि पूर्व में इन कर्मचारियों द्वारा यात्रियों के साथ अभद्रता और हिंदू संगठनों के लोगों को परेशान करने जैसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उन्होंने धर्मस्व विभाग के 2023 के आदेश का हवाला दिया जिसमें ऐसे कर्मचारियों को हटाने का निर्देश था। बजरंग दल ने चेतावनी दी है कि अगर मांग पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

12 मवेशियों को भेजा गया कांजी हाउस

कटनी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी दिलीप कुमार यादव द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के पालन एवं निगमायुक्त श्री नीलेश दुबे के निर्देशन में नगरीय क्षेत्र के विभिन्न वार्डो की मुख्य एवं अन्य मार्गो की सार्वजनिक सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित गौवंश को सड़कों से हटाकर कांजी हाउस एवं गौशाला में विस्थापित करने की कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम एवं निराश्रित पशु एवं गौवंश की सुरक्षा के लिए गत दिवस धारा 163 प्रभावशील कर संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों को आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए निर्देशित किया गया था। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी नें जानकारी देते हुए बताया कि इसी क्रम में सोमवार रात को नगर के विभिन्न मार्गों में हाका गैंग द्वारा अभियान चलाकर 12 निराश्रित गौवंश को कांजी हाउस एवं गौशाला में शिफ्ट करने की कार्यवाही की गई। वहीं मंगलवार को नगर स्थित नदी पार कुठला सहित बरगवां एवं झिझरी व अन्य स्थलों में हांकां टीम द्वारा आवारा मवेशियों को हांका लगाकर मुख्य मार्ग से अलग करने की कार्यवाही की जाकर नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन मुहैया कराने के प्रयास किये गए।

अवैध प्लाटिंग का बोलबाला: निगम अधिकारी मौन, पार्षदों पर मिलीभगत के आरोप

सतना। शहर में अवैध प्लाटिंग का धंधा धड़ल्ले से फल-फूल रहा है,जिससे न केवल शहर के नगरीय विकास पर नकारात्मक असर पड़ रहा है,बल्कि राजस्व को भी भारी नुकसान हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि नगर निगम के अधिकारी इस गंभीर मामले पर मौन धारण किए हुए हैं,और तो और, कई पार्षदों पर भी मिलीभगत के गंभीर आरोप लग रहे हैं। शहर के बाहरी इलाकों से लेकर अंदरूनी हिस्सों तक,जहां भी खाली जमीन दिख रही है,वहां बिना किसी अनुमति के छोटी-छोटी प्लॉट काटकर बेचे जा रहे हैं। इन अवैध कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव होता है-न ढंग की सड़कें,न पानी की व्यवस्था,और न ही सीवेज का कोई इंतजाम। ऐसे में,भोले-भाले ग्राहक सस्ते के लालच में फंसकर अपनी गाढ़ी कमाई गंवा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो,इस अवैध कारोबार को रोकने की जिम्मेदारी जिन नगर निगम के अधिकारियों पर है,वे जानबूझकर आंखें मूंदे हुए हैं। कई बार शिकायतें मिलने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। बताया जा रहा है कि इसमें ऊपरी स्तर पर भी सांठगांठ हो सकती है। यही नहीं,शहर के चुने हुए जनप्रतिनिधि यानी पार्षदों पर भी उंगलियां उठ रही हैं। आरोप है कि कुछ पार्षद अवैध प्लाटिंग करने वालों को संरक्षण दे रहे हैं और बदले में मोटी रकम वसूल रहे हैं। यह स्थिति शहर के विकास के लिए बेहद चिंताजनक है,क्योंकि जब जिम्मेदार लोग ही नियमों का उल्लंघन करने वालों का साथ देंगे,तो शहर का भविष्य क्या होगा? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर निगम को इस मामले में तत्काल सख्त कदम उठाने चाहिए और अवैध प्लाटिंग पर रोक लगानी चाहिए।साथ ही,उन अधिकारियों और पार्षदों की भी जांच होनी चाहिए जिन पर मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं,ताकि सतना का सुनियोजित विकास हो सके और शहरवासियों को धोखाधड़ी से बचाया जा सके।

मैहर कांग्रेस ने सीवर लाइन,सड़क निर्माण और किसान हितों पर उठाए सवाल

मैहर। जिला कांग्रेस कमेटी ने अध्यक्ष धर्मेश घई के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर नगर और ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर तत्काल जांच और ठोस कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में सीवर लाइन प्रोजेक्ट,सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार,किसान रामलखन पटेल की भूमि पर सीमेंट फैक्ट्री द्वारा अतिक्रमण और टमस नदी पर पुल निर्माण की कमी जैसे विषय शामिल हैं। कांग्रेस ने इन मामलों में उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए जन आंदोलन की चेतावनी दी है।

बहोरीबंद थाना में दिया गया बचाव एवं मदद का प्रशिक्षण

बाढ़ एवं अन्य प्रकार की आपदाओं से बचाव के लिए दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

बाढ़ एवं आपदा से बचाने बहोरीबंद थाना में एसडीआरएफ टीम के द्वारा पुलिस स्टॉफ, ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों, ग्राम पंचायत के सरपंच सचिवों सहित आम लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बतलाया गया कि बाढ़ एवं अन्य आपदाओं के समय खुद को सुरक्षित रखते हुए दूसरों को भी सुरक्षित रखा जाये इस पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्लाटून कमांडर श्वेता गुप्ता के नेतृत्व में टीम के ट्रेनर शंभू सेन, विकास शर्मा, दिनेश विश्वकर्मा व कन्हैयालाल ने बाढ़ के समय खुद की जान बचाने के लाइफ जैकेट के इस्तेमाल व घरेलू सामग्री से लाइफ जैकेट निर्माण करके खुद को 72घंटो तक जिन्दा रखने का उपाय बताया। ट्रेनिंग मै खाली बोतलों के सहारे, सूखे नारियल के सहारे, घर मे रखें फुटबाल,बाइक या चार पहिया वाहन के टूयूब में हवा भरकर जान बचाने के तरीकों को भी बताया गया। डूबते इंसान को सही तरीके से तैरकर बचाने की तकनीक की भी जानकारी विस्तार से दी गईं। मेघ गर्जना व वज्रपात के दौरान क्या करें ओर कैसे इसके शिकार हुए लोगों की मदद करें इसकी भी जानकारी दी गईं।

प्लाटून कमांडर श्वेता गुप्ता ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आपदा ग्रस्त क्षेत्र में सरकारी सहायता पहुंचाने तक लोग खुद के जीवन को कैसे सुरक्षित रख सके इसकी जानकारी देना है, जिससे आपदा काल के समय जान -माल के नुकसान को कम किया जा सके।

जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा संभावित बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारी के अंतर्गत कलेक्टर दिलीप कुमार यादव एवं पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशानुसार बहोरीबंद थाना को रबर बोट मय ओबीएम इंजन एवं आवश्यक बाढ़ बचाव सामग्री सुपुर्द की गई। यह संपूर्ण सामग्री थाना प्रभारी बहोरीबंद की अभिरक्षा में सुरक्षित रखी गई है। साथ ही, बहोरीबंद थाना क्षेत्र के पुलिस स्टाफ, ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों एवं स्थानीय तैराकों को उक्त सामग्री के संचालन एवं उपयोग हेतु आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

इस पहल का उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी राहत कार्य सुनिश्चित करना है।

विद्यार्थियों का जाति प्रमाण पत्र बनाने शिविर का आयोजन

स्कूलों में अध्ययन कार्य करने वाले विद्यार्थियों को परेशान न होना पड़े स्कूलों में ही जाति प्रमाण पत्र बन जाये इसके लिए बहोरीबंद विकासखंड में विशेष अभियान एसडीएम राकेश चौरसिया के मार्गदर्शन मै आयोजित हो रहा है। मंगलवार को संकुल केंद्र तेवरी मै जाति प्रमाण पत्र बनाने राजस्व व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान मै शिविर आयोजित हुआ। जहाँ संकुल अंतर्गत आने वाले स्कूलों के विद्यार्थियों ने जाति प्रमाण पत्र बनवाने 233 आवेदन किए। शिविर मै मौजूद अधिकारियो ने जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने को लेकर विद्यार्थियों के आवश्यक दस्तावेज जमा कराते हुए आवेदन फार्म पूर्ण किये। शिविर का निरीक्षण तहसीलदार नेहा जैन ने किया। इसके साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी पी पी सिंह द्वारा संकुल केंद्र बचैया का निरीक्षण किया गया। जहाँ विद्यालय परिसर संचालन पर संतोष व्यक्त किया गया। इस दौरान प्रभारी प्राचार्य महेंद्र राय को यू डाइस फीडिंग, प्रोफाइल अपडेशन, नि:शुल्क साइकिल वितरण शीघ्र पूर्ण किए जाने हेतु निर्देश दिए गए। शिविर मे अमर सिंह, मनोज गर्ग, सचिन राय, बैसाखू रैदास सहित शिक्षक हल्का पटवारी सुरेंद्र रजक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

संदीपनी स्कूल में नशे से दूरी है जरूरी अभियान, पुलिस ने छात्रों को दी नशा मुक्ति की प्रेरणा

अजयगढ़ । मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर अजयगढ़ थाना पुलिस ने संदीपनी गवर्नमेंट विद्यालय में नशे से दूरी है जरूरी कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में एसडीओपी राजीव सिंह भदौरिया और थाना प्रभारी बखत सिंह ने छात्र-छात्राओं को नशे की लत के खतरों से अवगत कराया। उन्होंने नशा मुक्ति हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी साझा की, जैसे मानस हेल्पलाइन नंबर 1933, नेशनल सुसाइड हेल्पलाइन नंबर 14416, और नशा मुक्ति हेल्पलाइन नंबर 14446। इन नंबरों के जरिए जरूरतमंद लोगों को तुरंत सहायता मिल सकती है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य बीरेंद्र कुमार मिश्रा, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं और पुलिस स्टाफ उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस पहल ने न केवल जागरूकता फैलाई, बल्कि युवाओं में स्वस्थ और नशा-मुक्त जीवन की प्रेरणा भी जगाई। नशे से दूरी, जीवन से जरूरी! इस संदेश के साथ अजयगढ़ पुलिस ने समाज को एक बेहतर दिशा दिखाने का प्रयास किया।

बच्चे हमारे भविष्य हैं, लेकिन क्या हम उनके भविष्य के प्रति ईमानदार हैं?

पन्ना। यह सवाल हर माता-पिता, हर शिक्षक, हर नीति-निर्माता और समाज के हर जिम्मेदार नागरिक के दिल में गूंजना चाहिए। आज जब भारत 21वीं सदी में वैश्विक मंच पर ज्ञान, विज्ञान और नवाचार का दावा कर रहा है, तब उसकी जड़ें यानी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा दृ खोखली होती जा रही हैं। यह खोखलापन किसी एक क्षेत्र, एक राज्य, या एक संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि एक सर्वव्यापी और चिंताजनक राष्ट्रीय प्रवृत्ति बन गया है। हम सभी इसका हिस्सा हैं या तो प्रत्यक्ष रूप से इसके संचालक के रूप में, या फिर परोक्ष रूप से इसकी अनदेखी करने वाले मूक दर्शक के रूप में। आज शिक्षा एक मिशन नहीं, बल्कि एक बाजार बन गई है। यह वाक्य अब भाषणों का हिस्सा नहीं, एक कटु यथार्थ है। हमारे देश में आज हर गली, हर मोहल्ले में बिना किसी न्यूनतम शैक्षणिक आधारभूत ढांचे के, पान की दुकान जितनी सहजता से स्कूल खुल गए हैं। दो कमरे, एक काउंटर, कुछ बेंच, और दो-चार हजार रुपये में रखे गए बेरोजगार युवक-युवतियाँ जो खुद विषय की मूल समझ से अनभिज्ञ हैं, शिक्षा के नाम पर शून्यता परोस रहे हैं।

जिला अस्पताल पन्ना की एक-एक कर उजागर हो रही लापरवाहियां, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

बीमार बच्चे को लगाई एक्सपायरी डेट की बोतल, हालत बिगड़ने से मचा हड़कंप

पन्ना। जिला अस्पताल पन्ना में आज 16 जुलाई 2025 को दोपहर लगभग 3 बजे उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक उल्टी दस्त से पीड़ति 11 वर्षीय बच्चे को जिला अस्पताल में भर्ती करने के बाद नर्सिंग ऑफिसर के द्वारा एक्सपायरी डेट की बोतल चढ़ा दी गई। सूचना मिलते ही मीडिया टीम मौके पर पहुंच गई अस्पताल में भर्ती अन्य बच्चों के परिजन भी अपने-अपने बच्चों को लगाई गई बोतल एवं दवाइयों की एक्सपायरी डेट देखने लगे, मामले के संबंध में शेख इंसाफ निवासी पुराना पन्ना ने बताया कि रात में उल्टी दस्त की शिकायत पर सुबह लगभग 11 बजे वह अपने भांजे जीशान बेग पिता युसूफ बेग उम्र 11 वर्ष को जिला अस्पताल पन्ना में भर्ती कराया जहां नर्सिंग ऑफिसर के द्वारा एक के बाद एक तीन बोतल चढ़ाई गई तीसरी बोतल चढ़ाते ही अचानक बच्चे को तेज ठंड सिर में दर्द एवं जकड़न होने लगी तभी शेख इंसाफ की नजर बोतल पर पड़ी जिसमें मैन्युफैक्चरिंग डेट अप्रैल 2023 और एक्सपायरी

डेट मार्च 2025 पड़ी हुई थी नर्सिंग ऑफिसर को बताने पर उसके द्वारा दूसरी बोतल लाई गई लेकिन वह भी जून 2025 में एक्सपायर हो चुकी थी बच्चे की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी जिससे परिवार के लोग घबरा गए, इस प्रकार जिला अस्पताल पन्ना की बडी लापरवाही सामने आई है। डॉक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारियों को भी सूचित किया गया है, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

डॉक्टर श्री तिवारी ने इस मामले में जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है अब देखना यह होगा कि इस मामले में दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है या यह मामला भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। गौरतलब बात यह है कि जहां आम आदमी स्वास्थ होने के लिए जिला चिंकित्सालय में उपचार को लेकर आते है वहां उपचार के दौरान किस तरह से प्रबंधन द्वारा इलाज किया जाता है इसकी जिम्मेदारी साफतौर पर नजर आती है। सोशल मीडिया में यह खबर चर्चा का विषय बनी हुई है। आखिरकार जिला अस्पताल के हालात को लेकर कौन है जिम्मेदार। क्या इस तरह की लापरवाही को लेकर तय की जायेगी कार्यवाही स्पायरी डेट की वाटल वार्ड में क्यों पंहुचाई गई। आखिरकार अन्य मरीजों के साथ भी कहीं यही हालात तो नहीं कायम। जिम्मेदार स्वास्थ्य अमला जिला चिकित्सालय में क्या अनभिग्य बना हुआ है। स्टोर इंचार्ज से लेकर जिला अस्पताल में पंहुचाई जाने वाली दवाईयां इस मामले से जांच का विषय बन रही है। दिया तले ही अंधेरा जिला मुख्यालय की दास्ता जिला अस्पताल के हालात को लेकर चर्चा का विषय बनी हुई है। आज की यह अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही देखना यह है कि किसकी जिम्मेदारी से यह हालात कायम आखिर क्यों?

मुख्य मार्ग बना तालाब, ग्रामीण परेशान

पवई। मुख्यालय से महज 10 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत पड़रिया कला में पवई-नागौद मुख्य मार्ग पर जलभराव की समस्या विकराल होती जा रही है। बारिश का पानी सड़क पर इस कदर भर गया है कि वह तालाब जैसी दिखाई देने लगी है। स्थानीय लोगों को मोटरसाइकिल, साइकिल व पैदल चलने में भारी कठिनाई हो रही है। कई बार राहगीरों के फिसलने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। लेकिन इसके बावजूद न तो जल निकासी की कोई स्थायी व्यवस्था की गई है और न ही जिम्मेदार विभागों द्वारा कोई ठोस पहल दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि बीते वर्ष लाखों रुपये की लागत से नाली निर्माण कार्य शुरू हुआ था, लेकिन वह अधूरा छोड़ दिया गया। निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार की आशंका जताई जा रही है। अधूरी नाली की वजह से पानी का निकास संभव नहीं हो सका, जिसके कारण आज यह हालात बने हैं।

पड़रिया में जल निकासी की व्यवस्था ठप, अधूरी नाली बनी मुसीबत, जिम्मेदारों में चल रहा आरोप-प्रत्यारोप

जिम्मेदार एक-दूसरे पर डाल रहे जिम्मेदारी

जलभराव की समस्या को लेकर अब जिम्मेदारों में भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। जब इस संबंध में जनपद पंचायत पवई के उपयंत्री से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ष्नाली निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी विभाग की है।ष्वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग के उपयंत्री ने मामले में पल्ला झाड़ते हुए कहा कि ष्यह कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, रीवा के अंतर्गत आता है।ष जिम्मेदारों की इस टालमटोल और जवाबदेही से बचने की कोशिश का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक के द्वारा बताया गया की 2020 में नाली निर्माण स्वीकृत कराया गया था,आधे से अधिक नाली का निर्माण भी हो चुका था लेकिन उसके बाद सड़क वालों ने निर्माण कार्य पर रोक लगवा दी थी जिसकी वजह से राशि वापस चली गई थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए और दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

इनका कहना है-

सडक निर्माण पीडब्लूडी ने कराया था, नाली बनाना पीडब्लूडी विभाग की जिम्मेदारी है,इसमें हमारी भूमिका नहीं है

आनंदीलाल प्रजापति
उपयंत्री (जनपद पंचायत)

सड़क निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण रीवा द्वारा कराया गया है, इसमें हमारी कोई भूमिका नहीं है

संजय खरे
उपयंत्री पीडब्लूडी

खाद्य कारोबारकर्ताओं पर 8 लाख 25 हजार का जुर्माना अधिरोपित

एक माह में जुर्माना राशि जमा न करने पर होगी वसूली एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

पन्ना। अपर कलेक्टर न्यायालय पन्ना द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के माध्यम से खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के उल्लंघन पर प्रस्तुत प्रकरणों में सुनवाई कर जिले के 34 खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरूद्ध 8 लाख 25 हजार रूपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार राय ने जानकारी दी कि इन्द्रपुरी कॉलोनी पन्ना में इन्द्रजीत गुप्ता को अवैध रूप से मिलावटी घी का निर्माण करते पाए जाने पर एक लाख 50 हजार रूपए तथा मोहन्द्रा में अवैध रूप से केक विक्रय पर राज साहू, दीपक साहू हटा जिला दमोह पर 25 हजार रूपए का जुर्माना अधिरोपित करने की कार्रवाई की गई है।

इसके अतिरिक्त अमानक स्तर की खाद्य सामग्री विक्रय पर नमूनों की जांच उपरांत रोहित चौरसिया दादा दूध डेयरी पवई, अमन चौरसिया अमन एजेंसी मोहन्द्रा, नंदकिशोर साहू आनवी किराना मोहन्द्रा, केशरी प्रसाद यादव दूध विक्रेता खजुरी कुड़ार, सनद यादव दूध विक्रेता दहलान चौकी, अभिषेक द्विवेदी कानपुर स्वीट्स पन्ना, सुरेश यादव दूध विक्रेता बनहरीकला अजयगढ़, रोहित खटीक दीक्षा दूध डेयरी पवई, राजेश पटेल दूध डेयरी अजयगढ़, सौरभ गुप्ता जटाशंकर चौपाटी अमानगंज, जीतेन्द्र पटेल मिठाई विक्रेता पवई, लक्ष्मी यादव प्रधान डेयरी पिपरवाह अमानगंज, सत्यम केशरवानी, सत्यनारायण केशरवानी, कन्हैया स्वीट्स किशोर जी मंदिर के पास पन्ना, बब्लू यादव आकाश डेयरी माधवगंज अजयगढ़, प्रमोद सिंह यादव दूध विक्रेता देवेन्द्रनगर, शिवशरण गर्ग, मामा भांजा रेस्टोरेंट गुनौर, मनोज रैकवार कड़ा लस्सी भण्डार पन्ना, शैतान सिंह ओम बीकानेर मिष्ठान भण्डार अमानगंज, खकेन्द्र कठायत नेपाली मोमोज पन्ना, अरविन्द यादव दूध विक्रेता सकरिया, राहुल जैन, जैन होटल अस्पताल चौराहा पन्ना तथा सुरेश कुमार गुप्ता बृजवासी स्वीट्स बस स्टैंड पन्ना पर 25-25 हजार रूपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया है।

इसी तरह राजेश तिवारी दूध विक्रेता अमानगंज, अरूण द्विवेदी चाय विक्रेता इन्द्रपुरी कॉलोनी पन्ना, गर्जन सिंह दूध विक्रेता गुनौर, राकेश कुमार जैन, रक्कू टी स्टॉल देवेन्द्रनगर, पवन अग्रवाल, जीतेन्द्र अग्रवाल, मां शारदा चाय नास्ता दुकान गुनौर, रामनारायण सिंह यादव दूध विक्रेता अम्हा तिगैला अजयगढ़, पुष्पराज पाटकर राज मेडिकल स्टोर अस्पताल चौराहा पन्ना, अब्दुल नईम दूध विक्रेता बनौली अजयगढ़, चंद्रिका प्रसाद सेठिया, सेठिया रेस्टोरेंट शाहनगर और ज्ञानेन्द्र विश्वकर्मा ज्ञानेन्द्र किराना इंद्रपुरी कॉलोनी पन्ना पर 10-10 हजार रूपए का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन डॉ. राजेश प्रसाद तिवारी ने बताया कि संबंधित खाद्य कारोबारकर्ताओं को एक माह के भीतर वरिष्ठ न्यायालय में अपील न करने की स्थिति में निर्धारित जुर्माना राशि न्यायालय में जमा करने के संबंध में सूचित किया गया है अन्यथा वसूली कार्रवाई कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत संबंधित प्रतिष्ठान और व्यक्तियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत जनसामान्य से भी अपील की गई है कि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को ध्यान में रखकर दूध, मिठाई, खोवा, घी और अन्य दैनिक उपयोग की खाद्य सामग्री क्रय करें, जिससे स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इसके अलावा खाद्य वस्तुओं के क्रय-विक्रय करने वाले खाद्य कारोबारकर्ताओं को भी खाद्य वस्तुओं में मिलावट या किसी प्रकार की गड़बडी करने अथवा नकली घी बेचने की सूचना प्राप्त होने पर कठोर दण्डात्मक कार्यवाही प्रस्तावित करने के संबंध में चेतावनी दी गई है। आगामी त्यौहारों के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

समग्र ई-केवाईसी में लापरवाही पर 2 पंचायत सचिव निलंबित

ग्राम रोजगार सहायकों को आधा मानदेय और 18 के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित

पन्ना। कलेक्टर पन्ना द्वारा समग्र ई-केवाईसी की निरंतर समीक्षा की जा रही है। इस क्रम में जनपद पंचायत पन्ना की न्यून प्रगति की ग्राम पंचायतों की समीक्षा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमराव सिंह मरावी द्वारा गत 15 जुलाई को की गई, जिसमें जनपद की सबसे खराब प्रगति की ग्राम पंचायत सिरस्वाहा के सचिव कमलेन्द्र सिंह तथा सकरिया के सचिव पुष्पेन्द्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर जनपद पंचायत कार्यालय मुख्यालय नियत किया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत सिरस्वाहा के ग्राम रोजगार सहायक मनोज कुमार पाल एवं ग्राम पंचायत सकरिया के ग्राम रोजगार सहायक लोकेन्द्र सिंह के विरूद्ध विस्तृत जांच संस्थित कर 50 प्रतिशत मानदेय भुगतान किये जाने संबंधी आदेश जारी किये गये हैं। इसके अतिरक्त खराब प्रगति की ग्राम पंचायत बराछ, धरमपुर, मनौर, झरकुआ, बड़गड़ीखुर्द, गौरा, तिलगुवां, मनकी, सिलधरा, मुटवांकलां, बृजपुर, लक्ष्मीपुर, इटवांखास, दिया, लुहरहाई, मकरीकुठार, रमखिरिया तथा बख्तरी के सचिव और ग्राम रोजगार सहायकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने संबंधी कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये हैं।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर यूथ सर्वेयरों ने तहसीलदार पवई को सौंपा ज्ञापन

नियमित रोजगार और निश्चित मानदेय की रखी मांग

पवई। यूथ सर्वेयर राजस्व महासंघ कर्मचारी मध्य प्रदेश के तत्वाधान में पवई तहसील के सभी सर्वेयर मंगलवार को तहसील कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने तहसीलदार त्रिलोक सिंह को पांच सूत्रीय मांगों का आवेदन सौंपा,जिसमें उल्लेख किया है कि लोकल यूथ सर्वेयर की नवीन भर्ती पर तत्काल रोक लगाई जाए,ताकि वर्तमान में कार्यरत युवाओं का अधिकार सुरक्षित रहे,उन्हें शासन

द्वारा पहचान पत्र जारी किए जाएं, नियमित रोजगार का दर्जा प्रदान किया जाए,साथ ही नियमित रोजगार और निश्चित मानदेय समय पर दिया जाए। उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग द्वारा हम सभी सर्वेयर की नियुक्ति फसल गिरदावरी कार्य हेतु प्रत्येक पटवारी हल्का ग्राम में 2024 में शासन के एमपीएलआरएस/डीसीएस/के एल एच/189 आदेश अनुसार एमपी भू अभिलेख कोटा द्वारा ऑनलाइन नियुक्ति दी गई थी वर्तमान में शासन द्वारा प्रदाएं कार्य फार्मर आईडी केवाईसी बनाने में पूरी ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं समय से मंडे का भुगतान नहीं हो रहा।

ग्राम पंचायत कृष्णगढ़ एवं जगदीशपुरा का पढ़ूंआ ग्राम अब भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित

पवई। आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बावजूद ग्राम पंचायत/ कृष्णगढ़ जगदीशपुरा के अंतर्गत आने वाला आदिवासी बाहुल्य गाँव पहुआ अब भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी मूलभूत आवश्यकताएं आज भी यहां के ग्रामीणों के लिए सपना बनी हुई हैं ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय नेता वादों की झड़ी लगा देते हैं, लेकिन जीतने के बाद कोई पीछे मुड़कर देखने तक नहीं आता। गांव में आने-जाने के लिए पक्की सड़क तक नहीं है, बारिश के मौसम में कीचड़ व जलभराव से हालात और भी बदतर हो जाते हैं। हमारे गांव के

मार्ग से पैदल निकलना मुश्किल हो जाता हैं. जिसका अंदाजा बर्तमान स्थिति कोई देखकर लगाया जा सकता हैं। बिजली की आपूर्ति अनियमित है, और स्वच्छ पेयजल की भी भारी कमी है। वहीं, स्वास्थ्य सेवाओं का तो नामोनिशान तक नहीं कृ एक छोटी सी बीमारी के लिए ग्रामीणों को कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। पैदल बहा तक पहुंच पाना बड़ा मुश्किल होता हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सरपंच व पंचायत जनप्रतिनिधियों की चुप्पी, ग्रामीणों के आक्रोश को और बढ़ा रही है।अब समय आ गया है कि सरकार और प्रशासन इस गाँव की सुध लें और वास्तविक विकास का वादा निभाएं। इस ग्राम के सड़क निर्माण कोई लेकर विगत वर्ष उपसरपंच दीपेंद्र त्रिपाठी ने भी आबाज उठाई थी परन्तु आज तक किसी ने इन ग्रामवासियो की तरफ ध्यान नहीं दिया। वही जनपद सदस्य कमलेश तिवारी ने भी चितावनी दी हैं की यदि यहाँ के विकास की तरफ प्रशासन ने धयान नहीं दिया तो धरने पर बैठने को मजबूर होंगे।

अमानगंज पुलिस ने छात्राओं को दी समझाईश, ग्रामीण एवं परिवारजनों को प्रेरित करने की अपील

अमानगंज। पुलिस अधीक्षक पन्ना साइं कृष्णा थोटा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना वंदना सिंह चौहान के निर्देशन पर बुधवार की दोपहर 3:00 बजे सब इंस्पेक्टर डीपी मिश्रा महिला प्रधान आरक्षक एवं पुलिस स्टाफ के द्वारा नशे से दूरी, है जरूरी नशा मुक्ति जन जागृति अभियान के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमानगंज में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 100 छात्राएं मौजूद रहीं जिन्हें नशा मुक्ति जन जागृत के संबंध में समझाइस दी गई जिन्होंने अपने घर परिवार ग्राम में नशा मुक्ति अभियान में सहयोग प्रदान करने का योगदान देने के लिए आश्वासन दिए हैं।

हनुमतपुरा ग्राम में दिनदहाड़े चोरी की वारदात आई सामने

अमानगंज। थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले हनुमतपुरा ग्राम में बुधवार की दोपहर लगभग 12:00 बजे एक चोरी की वारदात सामने आई मामले को लेकर हनुमतपुरा निवासी फरियादी राकेश पटेल पिता घासीराम पटेल उम्र 34 वर्ष निवासी हनुमतपुरा ने अमानगंज पुलिस थाना पहुंचकर आप बीती बताते हुए बताया कि उसके घर में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा घुसकर के घर में रखा पौने तीन तोला का सोने का हार किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। फरियादी की सूचना पर अमानगंज पुलिस ने मामले में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

एम्बुलेंस के इंतज़ार में गई जान, अस्पताल के रिकॉर्ड में मृतक पुरुष की जगह दर्ज हुआ महिला नाम

छतरपुर। मंगलवार शाम एक दर्दनाक हादसे में इलाज में देरी और स्वास्थ्य व्यवस्था की लापरवाही के कारण खजुराहो निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक कोमल (45) पिता सुल्ली अहिरवार, निवासी सकेरा पुरवा, मजदूरी का कार्य करता था। हादसे के समय वह अपनी पत्नी बेनीबाई और बेटी के साथ बाइक पर खजुराहो सब्जी लेने जा रहा था। गांव से महज 200 मीटर की दूरी पर उसकी पत्नी की साड़ी बाइक के पहिए में उलझ गई, जिससे दोनों सड़क पर गिर पड़े। परिजन घायलों को तुरंत टैक्सी से खजुराहो अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद कोमल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

एम्बुलेंस नहीं मिली, किराए की गाड़ी से पहुंचे जिला अस्पताल

खजुराहो अस्पताल में आधे घंटे तक एम्बुलेंस न मिलने के कारण परिजनों ने निजी वाहन से 1000 रुपये में उसे जिला अस्पताल छतरपुर पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर देख कर तुरंत ग्वालियर रेफर कर दिया, लेकिन जिला अस्पताल में डेढ़ घंटे तक एम्बुलेंस नहीं मिल सकी। मरीज को स्ट्रेचर पर अस्पताल के बाहर ही रखा गया। हालत बिगडऩे पर जब उसे भीतर ले जाया गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

रिकॉर्ड में बड़ी चूक, पुरुष की जगह महिला लिखा

अस्पताल प्रशासन की लापरवाही यहीं नहीं रुकी— पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए दर्ज रिकॉर्ड में मृतक कोमल को महिला दर्ज कर दिया गया, जिससे परिजनों को अतिरिक्त परेशानियों का सामना करना पड़ा।

पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने नहीं दिया जवाब

घटना के संबंध में खजुराहो थाना प्रभारी सुरभि शर्मा से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वहीं, सीएमएचओ डॉ. आरपी गुप्ता ने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है, पर वे इसे दिखवाएंगे। मृतक के भाई छोटे हिसाबी और स्थानीय निवासी अबरार अली ने बताया कि यदि समय पर एम्बुलेंस मिल जाती, तो कोमल की जान बच सकती थी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की इस लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विधायिका ललिता यादव ने विधानसभा में लगाया प्रश्न, जानकारी जुटाने मचा घमासान

सुविधा शुल्क के चलते तत्कालीन बीआरआरसी अग्निहोत्री ने प्रारूप 7 के बिना भी निजी स्कूलों की मान्यता, नवीनीकरण कर दी, अंत में डीपी सी ने भी अपनी मोहर लगा दी

छतरपुर।

शिक्षा विभाग द्वारा निजी स्कूलों की कक्षा 1 से 8 तक की मान्यता जिला स्तर से दी जाती है और मान्यता का नवीनीकरण भी जिला स्तर खासकर जनपद शिक्षा केन्द्रों के माध्यम से होता है। मान्यता नवीनीकरण आवेदन के साथ निजी स्कूल संचालक को प्रारूप 7 (प्रबंध कार्यकारणी) को संलग्न करना पड़ता है। बिना प्रारूप 7 के मान्यता का नवीनीकरण नहीं किया जा सकता, लेकिन जनपद शिक्षा केन्द्र छतरपुर में जनवरी 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक कक्षा 1 से 8वीं तक के स्कूलों की मान्यता नवीनीकरण में भारी भर्राशाहीं की गई है। और नवीनीकरण के नाम पर तत्कालीन छतरपुर बीआरआरसी ने लाखों का बारान्यारा कर चौंका छक्का लगाने के आरोप लगे है। हालांकि बाद में उन्हें अन्य कारणों के चलते मूल पद पर बापिस कर दिया गया जबकि शासकीय योजनाओं के क्रियान्वन में लापरवाही बरतने के गंभीर आरोप थे। कलेक्टर की टेड़ी नजर पडऩे पर उन्हें मूल पद पर भेजा गया अब मामला प्रारूप 7 का उछल कर सामने आया है। प्रारूप 7 निजी स्कूलों के मान्यता नवीनीकरण आवेदन के साथ सलग्न नहीं है। यह अन्दर की बात खुलकर सामने आई है। प्रारूप 7 को 90 प्रतिशत स्कूलों के संचालकों ने नवीनीकरण आवेदन के साथ सलंग्न नही किया और उनकी मान्यता का नवीनीकरण कर दिया गया। जब तत्कालीन बीआरआरसी छतरपुर के इस भ्रष्टाचार

की कहानी सामने आई और कुछ समाचार पत्रों ने इस को शुर्खियों में लिया, तो बात विधानसभा क्षेत्र की विधायक तक पहुंची और विधायक ने इस भ्रष्टाचार का खुलासा करने के लिए कुछ अन्य मुददों के साथ प्रारूप 7 की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए विधानसभा में प्रश्न लगा दिया।

जानकारी जुटाने में लगे जनपद शिक्षा केन्द्र के कर्मचारी -

चूँकि तत्कालीन डीपीसी द्वारा मान्यता नवीनीकरण को हरी झण्डी बिना प्रारूप 7 के दी गई थी जिससे विभाग में किसी भी स्कूल के मान्यता नवीनीकरण आवेदन के साथ प्रारूप 7 संलग्न नही था। अब जब विधायक द्वारा जानकारी मांगी गई है तो यह जानकारी जुटाने के लिए सीएसी की डय्टी लगाई गई और निजी स्कूलों के संचालाकों को निर्देश दिए गए कि प्रारूप 7 (प्रबंध कार्यकारणी) की जानकारी तत्काल बीआरआरसी कार्यालय में उपलब्ध कराएं लेकिन मंगलवार तक नाम मात्र स्कूलों के संचालकों द्वारा यह जानकारी बीआरआरसी को उपलब्ध कराई गई। सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह है कि बिना प्रारूप 7 के नवीनीकरण नहीं किया जा सकता लेकिन तत्कालीन बीआरआर सी ने अबैध कमाई के चक्कर में शासन के दिशा निर्देशों की धज्जियां उडाते हुए चौके छक्के लगा दिए भले ही अब इसका परिणाम दूसरे लोगों को भोगना पड़ रहा है।

शहर में चर्चाएं तेज, लाखों का हुआ बारा न्यारा-

बिना प्रारूप 7 के निजी स्कूलों की मान्यता का नवीनीकरण करने में बर्ष 2025 में जनपद शिक्षा केन्द्र छतरपुर में लाखों का बारान्यारा किया गया जो अब खुलकर सामने आ रहा है। चर्चा यह है कि प्रत्येक स्कूल से 20 से 25 हजार रूपए की अबैध बसूली की गई यह बसूली होने के बाद ही तत्कालीन बीआरआरसी अग्निहोत्री ने मान्यता नवीनीकरण का आदेश जारी किया। अब निजी स्कूल संचालक भी परेशान हो रहें है कि पैसा भी लग गया और अब उन्हें प्रबंध कार्यकारिणी भी बनानी पड़ रही है। अगर पहले ही इस तरह की बात मालूम पड़ जाती तो पैसा नही लगता और प्रबंध कार्यकारिणी शुरू में बन जाती लेकिन तत्कालीन बीआरआरसी ने अपने बरिष्ठ अधिकारियों को गुमराह कर इस तरह की धांधली कर डाली।

धाधंली से परेशान है संचालक -

कहते है लालच बुरी बला होती है लालच में पड़ कर बीआरसी ने जहां मान्यता नवीनीकरण में धाधंली की बही कागज न देने के चक्कर में निजी स्कूलों के संचालकों ने पैसे के दम पर मान्यता नवीनीकरण कराना चाहा लेकिन जब विधायक ने विधानसभा में प्रश्न लगा दिया तो अब निजी स्कूल संचालक भी प्रबंध कार्यकारिणी की सूची तैयार करने में लगे हुए है। और उन्हें पिछली तारीख में प्रबंध कार्यकारिणी बनाने में पसीना छूट रहा है। चर्चा तो यह है कि कई निजी स्कूल संचालक यह जानकारी उपलब्ध नही करा पा रहें है। और बर्तमान बीआरआरसी उन्हें नोटिस पकड़ा रहें है जिससे स्कूल संचालक परेशान है।

इनका कहना है -

तत्कालीन बीआरआरसी अग्निहोत्री ने प्रारूप 7 के संबंध में गलती की है, और कुछ स्कूलों में प्रारूप साथ नहीं मिला है। जिसके चलते तत्कालीन बीआरआरसी छतरपुर अग्निहोत्री को हटाकर मूल पद पर भेजा गया है, निजी स्कूलों से पैसे लेने के संबंध में मुझे शिकायत प्राप्त नहीं हुई है, और अगर कोई निजी स्कूल संचालक शिकायत करता है, तो उसकी जांच कराई जाएगी।

अरुण शंकर पांडेय
डीपीसी, छतरपुर

कियोस्क संचालक पर खातों से पैसे निकालने के गंभीर आरोप, पीड़ितों ने की सिटी कोतवाली में शिकायत

छतरपुर।

पठापुर रोड स्थित एसबीआई बैंक के कियोस्क संचालक अरविंद रैकवार और उसके साथी शैलू विश्वकर्मा पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगे हैं। कई स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि संचालक द्वारा उनके बैंक खातों में पैसे जमा करने की बजाय खुद के पास रख लिए गए हैं। इस मामले को लेकर पीड़ितों का समूह सिटी कोतवाली पहुंचा और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उक्त कियोस्क संचालक पर पहले भी धोखाधड़ी करने के आरोप लग चुके हैं।

जानकारी के अनुसार, पीड़ितों ने धीरे-धीरे करके कियोस्क संचालक के पास अपने पैसे जमा किए थे। लेकिन जब पैसों की जरूरत पड़ी और वे अपने खातों से रकम निकालने पहुंचे, तब उन्हें जानकारी मिली कि उनके खातों में पैसा जमा ही नहीं किया गया है।

पीड़ितों में गायत्री कुशवाहा पत्नी लीले कुशवाहा, निवासी पठापुर रोड रामजानकी मंदिर के पास के 36,139 रूपए, जगदीश अनुरागी पिता परमलाल अनुरागी, निवासी सीताराम कॉलोनी के 40,000 रूपए की रकम गायब, अर्जुन अहिरवार पिता रमेश अहिरवार, निवासी बुंदेलखंड सिटी, पठापुर रोड के 40,000 की गड़बड़ी सामने आई है। पीड़ितों ने बताया कि करीब 20 दिन से कियोस्क सेंटर बंद है। मंगलवार सुबह जब वे संचालक के घर बगौता स्थित पहाडिय़ा पहुंचे तो कियोस्क संचालक ने कहा कि वह दोपहर तक कियोस्क सेंटर खोलेगा, लेकिन वह न आया और न ही दुकान खोली गई। बुधवार को दोबारा उसके घर पहुंचे तो उसकी मां ने बताया कि वह घर पर नहीं है। इसके बाद सभी पीड़ित एसबीआई की मुख्य शाखा पहुंचे और अपने-अपने खातों की जांच कराई। तब उन्हें पता चला कि उनके खाते में पैसा जमा ही नहीं किया गया है। इस धोखाधड़ी को लेकर सभी पीड़ित सिटी कोतवाली पहुंचे और संचालक के खिलाफ आवेदन दिया। बताया जा रहा है कि करीब एक दर्जन लोगों के खातों से इस तरह की धोखाधड़ी की गई है। पीड़ितों ने प्रशासन से इस मामले की गंभीरता से जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

क्रिश्चियन अस्पताल की लापरवाही से जुड़वा बच्चों की मौत, परिजनों का फूटा गुस्सा

परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप, कार्रवाई की मांग

छतरपुर। शहर के बजरंग नगर निवासी कौशल्या यादव पति जितेंद्र सिंह यादव के साथ दर्दनाक हादसा हुआ, जब क्रिश्चियन अस्पताल में प्रसव के लिए लाई गई महिला के पेट में पल रहे जुड़वा बच्चों की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि गर्भावस्था के दौरान लगातार क्रिश्चियन अस्पताल में ही देखरेख और इलाज कराया गया। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन द्वारा मनमर्जी से पैसे वसूले गए, लेकिन जब प्रसव की घड़ी आई तो डॉक्टरों ने घोर लापरवाही बरती, जिसका खामियाजा उन्हें मासूम बच्चों की जान गंवाकर चुकाना पड़ा। प्रसव से पहले ही दोनों बच्चों की मौत हो जाने की खबर से परिवार सदमे में है। मृत जुड़वा बच्चों को देखकर परिजन बिलख उठे। उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

ढाई साल में ही जर्जर हुई सड़क, गड्ढों में तब्दील हुआ करोड़ों का निर्माण कार्य

लोक निर्माण विभाग की लापरवाही से बढ़ रहे हादसे, जनजीवन प्रभावित

नौगांव। नौगांव से उत्तर प्रदेश की सीमा तक जाने वाली महज 6 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क की हालत बदतर हो चुकी है। यह सड़क नगर के वार्ड क्रमांक 1 से निकलकर नैगुवां होते हुए उत्तर प्रदेश के बिजोरी गांव तक जाती है और बेलाताल, कुलपहाड़, राठ एवं महोबा जैसे बड़े कस्बों को जोड़ती है। हाल ही में लगभग ढाई वर्ष पूर्व इस सड़क का निर्माण लाखों रुपये की लागत से लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया गया था, लेकिन इतने कम समय में ही यह सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह सड़क पिछले दस वर्षों में कई बार बनी और टूटी, लेकिन कभी भी इसके रख-रखाव पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। ताज्जुब की बात यह है कि जैसे ही मध्य प्रदेश की सीमा समाप्त होती है और उत्तर प्रदेश की सीमा शुरू होती है, सड़क एकदम चमचमाती नजर आती है। वहां दोनों ओर स्मारक बने हैं जो स्वागत संकेत की तरह प्रतीत होते हैं। जबकि मध्य प्रदेश की ओर सड़क की स्थिति दुर्दशा का परिचय देती है।

बीच सड़क पर कई जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, खासकर दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक प्रभावित हैं। बरसात के दिनों में यह स्थिति और भी भयावह हो जाती है जब गड्ढों में पानी भर जाता है और सड़क पूरी तरह दिखाई नहीं देती। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने लोक निर्माण विभाग से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि विभाग की उदासीनता जनता के लिए जानलेवा साबित हो रही है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता।

दुर्घटनाओं का बढ़ता ग्राफ

नौगांव से परम कॉलोनी और नैगुवां के

क्षेत्रीय विधायक ने नव निर्मित सिविल अस्पताल का किया निरीक्षण, कमियों को शीघ्र सुधारने के दिए निर्देश

नौगांव। बुधवार को क्षेत्रीय विधायक कामाख्या प्रताप सिंह ने नव निर्मित 50 बेड वाले सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया। करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस अत्याधुनिक अस्पताल भवन के साथ अत्याधुनिक मशीनरी एवं आवश्यक उपकरण भी शामिल किए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने अस्पताल भवन में देखी गई छोटी-मोटी कमियों को शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए। वर्तमान में सिविल अस्पताल का संचालन पुराने ब्रिटिश कालीन भवन से किया जा रहा है, लेकिन संभावना जताई जा रही है कि 15 अगस्त तक नव निर्मित अस्पताल भवन का लोकार्पण कर इसका संचालन यहीं से प्रारंभ कर दिया जाएगा। विधायक ने निरीक्षण के दौरान बताया कि शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण अंचलों की बड़ी आबादी को ध्यान में रखते हुए अस्पताल को और अधिक सुविधाजनक बनाया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान 50 बेड

की क्षमता को बढ़ाकर 100 बेड करने का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यह अस्पताल क्षेत्रवासियों के लिए समस्त स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त रहेगा, जिससे इलाज के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। निरीक्षण के दौरान बीएमओ डॉ. रविंद्र पटेल, तहसीलदार पीयूष दीक्षित, नपाध्यक्ष अनूप तिवारी सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला मौजूद रहा।

कलेक्टर ने बक्सवाहा के सीएम राइज, तहसील एवं डब्ल्यूटीपी का निरीक्षण किया

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने मंगलवार को बक्सवाहा के सीएम राइज स्कूल, तहसील एवं डब्ल्यूटीपी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार एसडीएम विजय द्विवेदी, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री जैसवाल ने सीएम राइज स्कूल की बिल्डिंग का निरीक्षण करते हुए शेष सभी फिनिशिंग एवं निर्माण कार्य पूरे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने क्लास रूम, बाउंड्री, खेल मैदान, रनिंग ट्रैक सहित पेयजल आदि व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ ही लोड के हिसाब से विद्युत कनेक्शन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा अगले 15 दिनों में शेष सभी कार्य पूर्ण कराएं और हैंडओवर करें। इस दौरान प्रभारी प्राचार्य से स्कूल में एडमिशन की प्रक्रिया की जानकारी ली। तदोपरांत कलेक्टर ने तहसीलदार कोर्ट का निरीक्षण करते हुए राजस्व प्रकरणों, नामांतरण बंटवारा आदि फाइलों का अवलोकन किया। साथ ही कोर्ट में निरन्तर बैठकर प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा प्राथमिकता से समयसीमा में ही प्रकरणों का निराकरण किया जाए। इसके बाद कलेक्टर ने जल निगम के डब्ल्यूटीपी का निरीक्षण किया और कितने घरों में पानी पहुंच रहा है जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा ऊंची जगह में जो घर है वहां पानी नहीं पहुंचने पर सुविधा अनुसार पाइप लाइन को चेंज करें। साथ ही लीकेज को चेक कर ठीक करें। उन्होंने कहा पानी

पहुंचने पर लोगों से जलकर जमा कराएं। इसके अलावा लाइन डालने के बाद रोड रेस्टोरेशन के कार्य को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने भीमकुंड का निरीक्षण किया

जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री, कलेक्टर पार्थ जैसवाल एवं जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ एक बगिया माँ के नाम अभियान में सीएम राइज स्कूल एवं डब्ल्यूटीपी परिसर में पौधरोपण किया। साथ ही सभी नागरिकों को पौधे एवं उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की।

कलेक्टर श्री जैसवाल ने भीमकुंड का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा सम्पूर्ण परिसर में स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखा जाए। साथ ही आने वाले श्रद्धालुओं को भी सुरक्षा अनुरूप ही स्नान करने की अनुमति दें। उन्होंने कहा जाली के अंदर किसी को भी स्नान नहीं कराएं। उन्होंने कहा स्नान की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

ग्राम गंज में दो घरों से लाखों की चोरी, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

छतरपुर। बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम गंज में बीती रात चोरों ने दो अलग-अलग घरों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इन घटनाओं से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है और दहशत का माहौल बना हुआ है। पहली वारदात ग्राम गंज निवासी रामगोपाल नगरिया के घर में हुई, जहाँ चोरों ने सोने-चांदी के आभूषण और 15,000 नकद समेत कुल करीब दो लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। वहीं दूसरी चोरी की घटना राजनगर जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र अवस्थी के चाचा रामेश्वर अवस्थी के घर में हुई। चोरों ने घर से सोने की अंगूठी, पायल और चांदी के कंगन सहित लगभग 5 से 6 लाख रुपये के आभूषण और कीमती सामान चुरा लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और जांच कर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है और जल्द ही अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से नागरिकों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से गश्त बढ़ाने और आरोपियों को शीघ्र पकडऩे की मांग की है।

शासकीय महाविद्यालय लवकुश नगर में चलाया गया नशे से दूरी है जरूरी अभियान

लवकुशनगर। मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई 2025 तक नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को छतरपुर जिले के शासकीय महाविद्यालय लवकुशनगर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एसडीओपी नवीन दुबे ने छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहकर अपने जीवन को सफल बनाएं और समाज को भी इस दिशा में प्रेरित करें।

इस अवसर पर एसडीओपी दुबे ने सभी विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। शपथ में विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं कभी भी किसी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों से अवगत कराएंगे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राध्यापकों व कर्मचारियों ने भी अभियान की सराहना करते हुए इसे युवाओं के भविष्य निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

कॉलेज परिसर में पुलिस ने दिलाई नशामुक्ति की शपथ, छात्राओं के लिए शुरू हुई शिकायत पेटी व्यवस्था

हरपालपुर। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा जिलेभर में चलाए जा रहे नशे से दूरी बहुत जरूरी अभियान के तहत बुधवार को शासकीय राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पक शर्मा, प्राचार्य डी. ए. एस. परिहार, काकुनपुरा चौकी प्रभारी राजेन्द्र सिंह बागरी के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर की गई। इसके पश्चात उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए जीवन में कभी नशा न करने की शपथ दिलाई गई। सभी ने तंबाकू, शराब, गुटखा, सिगरेट जैसी चीजों से दूर रहने का संकल्प लिया और समाज को भी इसके लिए जागरूक करने की प्रतिज्ञा ली।

टीआई पुष्पक शर्मा ने कहा कि, नशा न केवल व्यक्ति की सेहत को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उसके परिवार और समाज पर भी गहरा असर डालता है। इससे दूर रहना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर छात्राओं के हित में एक नई पहल की गई। अब महाविद्यालय परिसर में शिकायत पेटी लगाई जाएगी, जिसके माध्यम से छात्राएं अपनी गोपनीय शिकायतें पुलिस तक पहुँचा सकेंगी। साथ ही थाना पुलिस का एक कर्मी प्रत्येक सप्ताह कॉलेज आकर इन शिकायतों की जांच करेगा। कार्यक्रम के दौरान एक छात्रा ने अपने गांव में अवैध शराब बिक्री की शिकायत टीआई से की। छात्रा ने बताया कि शराब की वजह से आए दिन विवाद होते हैं और गांव का माहौल बिगड़ रहा है। इस पर टीआई शर्मा ने तुरंत संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। संचालन डॉ. अरविंद कुमार पटेल, डॉ. दयाराम खरते, आजाद अली द्वारा किया गया। मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र विश्वकर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

युवक ने की आत्महत्या, कमरे में फंदे पर लटका मिला शव, बिछिया थाना क्षेत्र के एसएफ चौराहा के पास की घटना

रीवा।

शहर के बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एसएफ चौराहा स्थित एक किराए के मकान में सोमवार की शाम एक युवक का शव संदिग्ध हालातों में फंदे पर लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान लल्लू चौरसिया (उम्र लगभग 30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो पेशे से मजदूर था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। मिली जानकारी अनुसार मृतक लल्लू चौरसिया मूल रूप से ग्रामीण क्षेत्र का निवासी था, लेकिन काम के सिलसिले में वह एसएफ चौराहे पर किराए के मकान में रह रहा था। परिजनों ने बताया कि रविवार को उसने अपने भाई से कहा था कि वह गांव लौट रहा है, लेकिन बाद में वह शहर में ही रुक गया। सोमवार शाम को जब उसका कोई अता-पता नहीं चला तो लोगों ने मकान मालिक को सूचना दी। सूचना के बाद जब मकान मालिक और पड़ोसी युवक के कमरे के पास पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। कई बार आवाज देने के बाद जब भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई तो दरवाजा तोड़ा गया। कमरे के भीतर लल्लू का शव फंदे पर लटका मिला। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। बिछिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्राथमिक जांच में पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या के पीछे के कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस परिजनों और जान-पहचान वालों से पूछताछ कर रही है।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आज

रीवा

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 17 जुलाई को दोपहर 2.30 बजे से जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई है। इसकी अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल करेंगी। बैठक में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत निर्माण कार्यों की प्रगति रीवा तथा मऊगंज जिले में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवनों के निर्माण, बिजली विभाग की ट्रिपल आरडीएसएस योजना के क्रियान्वयन, जल जीवन मिशन के कार्यों तथा ग्राम पंचायतों में बस्ती विकास योजना के कार्यों एवं प्रस्तावित कार्य योजना की समीक्षा की जाएगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने सामान्य सभा के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

बाईपास पर ट्रेलर और हाईवा में जबरदस्त भिड़ंत, ट्रक चालक का सिर धड़ से अलग

एक घायल टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए,रेस्क्यू में जुटी रही पुलिस

रीवा। शहर के चोरहटा से रतहरा बाईपास मेंचोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत किटवरिया बाईपास के पास आमने सामने से ट्रेलर ट्रक और हाईवा में जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दो वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में ट्रेलर ट्रक के चालक की मौके पर ही मौत हो गई वहीं हाईवा का चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक ट्रेलर ट्रक चोरहटा की ओर जा रहा था जबकि गिट्टी से लोड हाईवा रतहरा की ओर जा रहा था जैसे ही दोनो वाहन किटवरिया बाईपास के पास पहुंचे आमने सामने से दोनों में तेज रफ्तार में टक्कर हो गई। हादसे के बाद बाईपास में लंबा जाम लग गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। चोरहटा और विश्वविद्यालय थाना प्रभारी के साथ दोनों थानों का पुलिस बल इस दौरान रेस्क्यू में जुटा रहा। बताया गया कि ट्रेलर और हाईवा बुरी तरह से आपस में फसे हुए थे, पुलिस ने जेसीबी बुलाई इसके बाद भी वाहन अलग नहीं हुए। बताया गया कि इसके बाद गिट्टी से लोड हाईवा को अनलोड कराया गया। पुलिस ने ट्रेलर के चालक की बॉडी को अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया है, वहीं हाईवा चालक को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।बाक्सकई घंटो तक घंण्टे जाम रहा हाईवेट्रेलर और हाईवा की टक्कर की जानकारी लगते ही चोरहटा थाना प्रभारी आशीष मिश्रा व समान थाना प्रभारी हितेंद्र नाथ शर्मा सहित पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया। दोनों ट्रक बुरी तरह से फंसे हुए थे। घटना शाम करीब 7 बजे हुई इस बीच करीब 2 घण्टे से अधिक समय तक वाहन सड़क पर फसे रहे। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य करते हुए वाहनों को सड़क से किनारे कराया और रात करीब साढ़े दस बजे आवागमन बहाल हो सका।

जमीनी विवाद और पारिवारिक रंजिश में हुई मारपीट के दो फरार आरोपी गिरफ्तार, गोविंदगढ़ पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों पर की कार्रवाई

रीवा। जिले की गोविंदगढ़ थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 1 जून को फरियादिया उमा पटेल पति उमाशंकर पटेल 50 वर्ष निवासी बजरंगपुर थाना गोविंदगढ़ ने अपने देवर अच्छेलाल पटेल के साथ जमीनी हिस्सा बांट को लेकर वाद विवाद कर मारपीट की शिकायत दर्ज करवाई थी। पीड़िता के सिर पर देवर अच्छेलाल पटेल ने गैती से हमला किया था, पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर कार्रवाई की लेकिन घटना के बाद से आरोपी फरार था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरी घटना 26 मई को सामने आई थी पीड़ित उग्रभान दाहिया पिता देवनाथ दाहिया निवासी डिहिया के साथ परिवार के लोगों ने मारपीट की थी जिसके बाद उसे गंभीर अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया था। उपरोक्त मामले में भी एक आरोपी घटना दिनांक से लगातार फरार चल रहा था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी रविनाथ दाहिया पिता स्व. रामश्रय दाहिया 61 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

रोजगार मेले में 191 युवाओं को मिला रोजगार

रीवा । युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में संभागीय आईटीआई रीवा में रोजगार मेला आयोजित किया गया। इसमें 346 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 10 कंपनियों ने 191 युवाओं का चयन किया। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में बजाज मोटर्स लिमि. हरिद्वार ने 20, धूत ट्रान्समिशन औरंगाबाद ने 34, आई.डब्लू.आई. लि. ने 20, विजन इंडिया प्रा. लि. ने 26, वोफास्ट प्रा. लि. जबलपुर ने 13, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा ने 12, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी रीवा ने 21 तथा प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा ने 45 युवाओं का चयन किया। रोजगार मेले के सफल आयोजन में जिला रोजगार कार्यालय तथा आईटीआई के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा

पंचतत्व में विलीन हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव के ससुर, बड़े बेटे ने दी मुखाग्नि अंतिम यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री के दोनों बेटों ने नाना को दिया कांधा

रीवा।

मध्यप्रदेश के मुख्य मंत्री मोहन यादव के ससुर ब्रम्हानंद यादव का बुधवार की दोपहर रीवा स्थित मुक्ति धाम मे अंतिम संस्कार किया गया. मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनकी पत्नि सीमा यादव विदेश यात्रा पर होने के करण अंतिम यात्रा मे शामिल नहीं हो सके. बुधवार को मुख्यमंत्री मोहन के दोनों बेटे रीवा पहुंचे और नाना की अंतिम यात्रा पर शामिल होकर उन्होने अपने नाना के पार्थिव शरीर को कांधा दिया. ब्रम्हानंद यादव के पार्थिव शरीर को उनके बड़े बेटे रामानंद ने मुखाअग्नि देकर अंतिम संस्कार किया जसके बाद दिवंगत ब्रम्हानंद यादव का पार्थिव शरीर पंचतत्त्व मे विलीन हो गया। बता दें की मुख्यमंत्री मोहन यादव के ससुर ब्रम्हानंद यादव की आयु 98 वर्ष कि थी और वह उत्तर प्रदेश मे स्थित आयोध्या जिले के अम्बेडकर अगर स्थित अपने आवास पर थे पिछले लंबे समय से वह बीमार चल रहे रहे थे, बीमारी के चलते अचानक से उनका स्वास्थ खराब हुआ था जिनका इलाज सुल्तानपुर जिला अस्पताल मे कराया गया था, स्वास्थ ठीक होने के बाद उन्हें मंगलवार कि शांम को घर लाया गया जिसके बाद शाम 6:30 बजे उनका निधन हो गया,उत्तर प्रदेश के सुल्तान पुर से पार्थिव शरीर रीवा स्थित निवास लाया गया इसके बाद बुधवार की दोपहर उनका अंतिम संस्कार किया गया। बॉक्समुख्यमंत्री के ससुर ब्रम्हानंद यादव ने रीवा मे गुजारे 45 वर्ष बता दें की ब्रम्हानंद यादव का पैतृक गांव यूपी के

अयोध्या जिले मे स्थित अम्बेडकर नगर मे है जो उनकी जन्म स्थली भी थी और रीवा उनकी कर्म भूमि हुई यहां पर उन्होंने अपने जीवन के 45 वर्ष गुजारे रीवा मे रहने के दौरान वह शासकीय विद्यालय मे शिक्षक के पद मे रहे और फिर प्रधानाध्यापक पद से वह रिटायर्ड हुए. रीवा की भूमि ब्रम्हानंद यादव की कर्म भूमि थी और उनकी ही इक्षा के मुताबिक उनके बेटों ने उनकी कर्मभूमि रीवा मे उनका अंतिम संस्कार किया। बॉक्स उप मुख्यमंत्री ने अर्पित की श्रद्धांजलिमुख्यमंत्री मोहन यादव के ससुर ब्रम्हानंद यादव निधन पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल उनके निवास पहुंचकर पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. श्री यादव ने अपना पूरा जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं अनुषांगिक संगठनों में कार्य करते हुए मां भारती की सेवा में अर्पित किया। इस दुःख की घड़ी में हम सभी की संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार को असीम कष्ट सहने की शक्ति प्रदान करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल स्वर्गीय यादव के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए। अंतिम संस्कार बीहर नदी के किनारे बदरिया मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे। अंतिम संस्कार में पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी राजेश सिंह, एसपी विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे सहित अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में परिवारजन तथा रिश्तेदार उपस्थित रहे।

शासन की योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ दिलाने में कामन सर्विस सेंटर की भूमिका महत्वपूर्ण - डिप्टी सीएम

कामन सर्विस सेंटर के 16 वें स्थापना दिवस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

रीवा । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम व्यक्ति तक लाभ दिलाने में कामन सर्विस सेंटर की भूमिका महत्वपूर्ण है। सीएससी द्वारा हितग्राहियों से समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति कराकर उन्हें योजनाओं का लाभ लेने का पात्र बनाया जाता है। उन्होंने कामन सर्विस सेंटर के ग्रामीण क्षेत्र के इन्टरप्रेन्योरशिप को अपनी शुभकामनाएँ दी तथा अपेक्षा की कि वह जनकल्याण के कार्य में सतत क्रियाशील रहे। कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में कामन सर्विस सेंटर के 16वें स्थापना दिवस पर आयोजित संभाग स्तरीय कार्यशाला में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएससी के माध्यम से लोगों को आधार से लेकर अन्य योजनाओं का लाभ दिलाया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे व्यक्ति जो शासन की योजनाओं का लाभ ले पाने में आगे नहीं आ पाते उन्हें सीएससी योजनाओं का लाभ लेने का पात्र बनाया जाता है शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही है। इनमें आगे आकर लाभ लेना आवश्यक है। लाड़ली बहना योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है जिसके माध्यम से प्रदेश की लगभग आधी आबादी आर्थिक तौर पर सशक्त हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था आने वा ले समय में विश्व में तीसरे स्थान पर होगी। कार्यक्रम में विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, महाप्रबंधक केन्द्रीय सहकारी बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय सहित सीएससी के प्रभारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक निलंबन के बचाव पर उतरा मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन, जताया विरोध, कार्यवाही को ठहराया गलत

रीवा।

श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय के ईएनटी विभाग में कार्यरत डॉ. अशरफ के निलंबन को लेकर चिकित्सा शिक्षकों में असंतोष व्यक्त किया है। मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एमटीए) ने प्रशासनिक निर्णय पर सवाल उठाते हुए इसे एकतरफा और प्रक्रिया विरुद्ध बताया है। एमटीए के अध्यक्ष डॉ. पुष्पेंद्र शुक्ला ने कहा कि जिस प्रकार से डॉ. अशरफ को निलंबित किया गया, वह नियमों और नैतिक प्रक्रियाओं के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि नर्सिंग छात्रा द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच अभी पूरी नहीं हुई है, और अब तक कोई ठोस साक्ष्य सामने नहीं आया है जिससे यह सिद्ध हो सके कि चिकित्सक दोषी हैं। कुछ दिन पूर्व एक नर्सिंग छात्रा ने डॉ. अशरफ पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाते हुए शिकायत प्राचार्य और डीन कार्यालय में दर्ज कराई थी। इसके बाद डीन ने आंतरिक जांच समिति का गठन किया। समिति की प्राथमिक अनुशंसा पर डीन ने तत्काल प्रभाव से चिकित्सक को निलंबित कर दिया। एमटीए का कहना है कि न केवल जांच अधूरी है बल्कि संबंधित चिकित्सक को भी पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया कि वे अपने पक्ष को विस्तार से रख सकें। डॉक्टरों का संगठन यह भी आरोप लगा रहा है कि कार्रवाई पूर्व निर्धारित प्रतीत होती है और इससे चिकित्सा समुदाय में असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है। उल्लेखनीय है कि बीते दिवस नर्सेस एसोसिएशन द्वारा चिकित्सक के खिलाफ निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर डीन को ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन सौंपने के कुछ ही समय बाद डीन द्वारा डा. अशरफ के निलंबन का आदेश जारी कर दिया। बताया गया है कि डा. अशरफ द्वारा जांच कमेटी को जो जवाब दिया गया था वह संतोषजनक नहीं था, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई है।

शिशुओं और महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा के लिए मिलकर प्रयास करें : कमिश्नर

रीवा ।

कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि शिशुओं और महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग मिलकर प्रयास करें। ग्राम स्तर से लेकर संभाग स्तर तक दोनों विभाग समन्वित प्रयास करेंगे तभी बच्चों और महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार होगा। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण हो सकेगा। दोनों विभागों के हितग्राही तथा लक्ष्य समूह एक हैं। इसलिए दोनों को समन्वय के साथ प्रयास करने की आवश्यकता है। हर गर्भवती महिला का अनिवार्य रूप से पंजीयन कराकर जाँच सुनिश्चित करें। हाईरिस्क गर्भावस्था वाली महिलाओं को चिन्हित करके समय पर अस्पताल में भर्ती कर समुचित उपचार की सुविधा दें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा बीएमओ स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार व्यवस्था एवं पोर्टल में जानकारी दर्ज करने की नियमित समीक्षा करें। गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन कर 31 अगस्त तक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। कमिश्नर ने बैठक में बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर सिंगरौली जिले के जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला स्वास्थ्य अधिकारी की एक वार्षिक वेतनवृद्धि अवरूद्ध करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने रीवा शहरी क्षेत्र, हनुमना, बैढ़न, चितरंगी तथा सोहावल के बीएमओ की भी वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि चिन्हित सभी डिलेवरी प्वाइंट में प्रसव की पूरी सुविधा रखें। शत-प्रतिशत प्रसव अनिवार्य रूप से अस्पतालों में हों। घर में प्रसव की जानकारी मिली तो जिम्मेदारी तय करके कार्यवाही की जाएगी। महिलाओं और बच्चों में खून की कमी के कारणों का विश्लेषण करके उनका समुचित उपचार सुनिश्चित करें। भोजन में मुनगा, नींबू, पालक, गुड़, महुआ, दाल, मोमफली जैसे स्थानीय वस्तुओं का समुचित उपयोग करके भी अच्छा पोषण मिल जाता है। इस संबंध में अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करें। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा आशा कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं के घर हर सप्ताह भ्रमण करें। उनके घर में माह में एक बार गर्भवती महिला के साथ में भोजन करके अच्छे पोषण के संबंध में जागरूक करें। दस्तक अभियान 22 जुलाई से 22 अगस्त तक चलाया जाएगा। दोनों विभाग मिलकर नवजात से पाँच साल तक के बच्चों की पूरी जाँच करें। कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन करके उन्हें समुचित उपचार और पोषण दें। शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर की प्रत्येक घटना का पूरा विश्लेषण और ऑडिट करें। दोनों विभाग के जिलाधिकारी विकासखण्ड स्तर पर संयुक्त बैठक करके दोनों विभागों के योजनाओं की समीक्षा करें।बैठक में कमिश्नर ने कहा कि क्षय मुक्त भारत अभियान के लक्ष्य इसी वर्ष दिसम्बर माह तक पूरे करने के प्रयास करें। बैठक में सिकल सेल एनीमिया, परिवार कल्याण अभियान, टीकाकरण अभियान, पोषण पुनर्वास केन्द्र में बच्चों की भर्ती तथा वर्षाजनित रोगों से बचाव और उपचार के प्रबंधों की समीक्षा की गई। कमिश्नर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों से पोषण आहार के वितरण की नियमित मॉनीटरिंग करें। किराये के भवनों में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों को आसपास के शासकीय भवनों में शिफ्ट करने के प्रयास करें। कम पोषित बच्चों के चिन्हांकन के लिए अभियान चलाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक में लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना तथा अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। कमिश्नर ने कहा कि सभी आंगनवाड़ी केन्द्र परिसरों तथा स्वास्थ्य विभाग की संस्थाओं में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधे रोपित करें। वृक्षारोपण में मुनगा, नींबू, आम, आंवला के पौधे रोपित कराएं। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, संभाग के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

मऊगंज जनपद पंचायत में 'गद्दा-चद्दर घोटाला

बिजली की दुकान से बिस्तर किराए पर लेकर 40 मिनट में उड़ाए गए 10 लाख रुपए

मऊगंज

जिले के जनपद पंचायत मऊगंज मे भष्टाचार के कारनामो के खुलासे प्रतिदिन हो रहे है इसी कड़ी मे भ्रष्टाचार की किताब में एक और काला अध्याय जुड़ गया। जल गंगा संवर्धन जैसे पवित्र उद्देश्य की आड़ में महज 40 मिनट के कार्यक्रम में 10 लाख रुपये उड़ा दिए गए। वो भी ऐसे खर्च, जिनका जमीन पर कोई नामोनिशान ही नहीं है। सबसे हैरान करने वाली बात है कि गद्दे और चादर किराए पर लिए गए एक बिजली की दुकान से! जिससे पता चलता है कि अब बल्ब बेचने वाले बिस्तर किराए पर देने लगे हैंमिली जानकारी के अनुसार 17 अप्रैल 2025 को जनपद पंचायत मऊगंज के खैरा ग्राम में जल गंगा संवर्धन अभियान का कार्यक्रम 40 मिनट का आयोजित हुआ था जिसमे 10 लाख रुपये का खर्च दिखाया गया है और पूरे पैसे एक ही वेंडर प्रदीप इंटरप्राइजेज को दिये गए सभी बिल प्रदीप लाइट हाउस के लगाए गए जिसमे किराना, मिठाई, टेंट, लाइट, नाश्ता – सब कुछ एक ही दुकान से साथ मे गद्दे 30 रुपये, चादरें 35 रुपये प्रति नग से किराए पर लिए गए वो भी बिजली की दुकान से जिससे प्रशासन की लापरवाही और एक सुनियोजित घोटाला लगता है जनपद पंचायत मे पदस्थ लेखापाल ने भी सी ई ओ पर लिखित आरोप लगाया है कि राम कुशल मिश्रा के द्वारा जबरन उसकी डीएससी और मोबाइल छीन ली गई थी और उसी के माध्यम से जमकर भ्रष्टाचार किया गया जिसकी शिकायत लेखपाल के द्वारा जनपद अध्यक्ष को की गई और जनपद अध्यक्ष के द्वारा लेखपाल की मोबाइल और डीएससी देने के लिए पत्र जारी किया गया था जिसके बाद सी ई ओ के द्वारा लेखपाल को डीएससी और मोबाइल वापस किया गया था

जनपद अध्यक्ष नीलम सिंह का आरोप है

हमें वहां पानी तक नहीं दिया गया, तो फिर लाखों के चाय-नाश्ते के बिल किसके लिए बने ग्रामीणों का कहना है गंदा टैंकर का पानी पिलाया गया, खाना तो दूर की बात रही।₹ पंचायत दर्पण पोर्टल पर अपलोड नोटशीट मे 2.54 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई थी। लेकिन निकाले गए 7.45 लाख रुपए से ज्यादा वो भी बिना जनपद पंचायत की बैठक, बिना प्रस्ताव पारित हुए इस पूरे प्रकरण की निगरानी जिन अधिकारियों को करनी थी, वो खुद विवादों में हैं। जनपद पंचायत मऊगंज में एक पीसीओ को नियमविरुद्ध सीईओ का प्रभार दे दिया गया है, जिन पर पहले से ही लोकायुक्त में भ्रष्टाचार की शिकायत लंबित है। दो-दो सीईओ है – एक प्रशासनिक और एक वित्तीय – और दोनों ही विवादित है।

इन्होने कहा_ मुझे आप लोगो के द्वारा जानकारी मिली है मैं परीक्षण कराऊंगा और जल गंगा संवर्धन अभियान की जो भी शिकायत मिली है, उसके परीक्षण हेतु जिला पंचायत सीईओ की हमने जांच टीम गठित की है जांच उपरांत जो तथ्य सामने आयेगे उसके आधार पर कार्रवाई की जायेगी लेखपाल और सीईओ पर जांच के उपरांत कार्यवाही की जाएगी।

संजय जैन कलेक्टर मऊगंज

मऊगंज में नशा मुक्ति अभियान का हुआ शुभारंभ

पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने की जागरूकता की अपील

मऊगंज:

जिले में नशे के खिलाफ एक निर्णायक पहल की शुरुआत हुई। पुलिस अधीक्षक श्री दिलीप सोनी ने 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक चलने वाले "नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान" का विधिवत शुभारंभ किया। यह अभियान मध्यप्रदेश पुलिस के निर्देशन में जिलेभर में संचालित किया जा रहा है

जिसका उद्देश्य समाज को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराकर एक स्वस्थ, सशक्त और नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है।कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह,अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) श्रीमती सची पाठक,डॉ प्रदुमन शुक्ल शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीगण, नगर परिषद प्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार, साथ ही स्थानीय विद्यालयों व महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने कहा – नशे की लत एक सामाजिक बीमारी है जो हर वर्ग को अंदर से खोखला कर रही हैं पुलिस अकेले इससे नहीं लड़ सकती जब तक समाज खासकर युवा जागरूक नहीं होंगे तब तक इस बुराई को मिटाना कठिन हैउन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल कानून या कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जनभागीदारी और जनचेतना के माध्यम से नशे की ₹डिमांड₹ को समाप्त करने पर जोर दिया जाएगा।

अभियान के अंतर्गत आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभियान के दौरान पूरे जिले में जन-जागरूकता रैली, नशा विरोधी शपथ कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला व पोस्टर प्रतियोगिता, लघु फिल्म प्रदर्शन जैसे कई रचनात्मक व प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।इन गतिविधियों में छात्र-छात्राएं, अभिभावक, व्यापारी संगठन, सामाजिक संस्थाएं एवं युवा खेल समूह सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों की तस्करी व विक्रय पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है, लेकिन यदि समाज इस दिशा में सजग हो जाए और नशे की मांग को ही समाप्त कर दे, तो यह लड़ाई और आसान हो जाएगी।

सभी विभागों से मांगे सुझाव

कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों और सामाजिक प्रतिनिधियों से इस अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए और कहा अगर हर विभाग हर संस्था अपनी जिम्मेदारीएक छोटा हिस्सा भी निभा ले तो हम मिलकर नशे के खिलाफ एक बड़ी जीत हासिल कर सकते हैं

जनता से अपील

पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने जिले की जनता से इस अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की और कहा कि यह केवल पुलिस या प्रशासन का नहीं, हम सभी का अभियान है। ₹आइए, एकजुट होकर नशा मुक्त मऊगंज की दिशा में सार्थक कदम बढ़ाएं।